महत्वपूर्ण एवं खास

इसी माह से जिले में किया जाएगा फोर्टिफाइड चावल का वितरण

सूरजपुर (आरएनएस)। खाद्य अधिकारी के निर्देश पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत माह अप्रैल 2023 से राज्य के सभी जिलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जारी अन्त्योदय एवं प्राथमिकता श्रेणी के राशनकार्डो पर फोर्टिफाइड चावल वितरण प्रारंभ किया जाना है। फोर्टिफाइड चावल के फायदे पौष्टिक तत्व आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 से भरपूर, खून की कमी कुपोषण दुर करने के साथ कई प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक गर्भवती महिलाओं में खून निर्माण, पूर्ण विकास, नर्वस सिस्टम के लिए बहुत लाभदायक, मध्यान भोजन तथा पूरक पोषण आहार योजनाओं के लिए आप सभी फोर्टिफाइड चावल की व्यवस्था सार्वजनिक वितरण प्रणाली राशन कार्ड के माध्यम से वितरण करना है। सामान्य से अधिक चिकना होने के कारण अरवा चावल से अलग दिखता है लेकिन कदापि प्लास्टिक नहीं है बल्कि बेहतर गुणवत्ता वाला चावल है। फोर्टीफइड चावल के सभी विकास खण्ड़ों में शासकिय उचितमूल्य दुकान संचालकों की बैठक में फोर्टीफाइड चावल के संबन्ध में जानकारी प्रदान की जा रही है ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों एवं स्थानियों जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर फोर्टीफाइड चावल के संम्बध में व्याप्त भ्रांतियों को दुर कर उसके लाभों के संबंध में अवगत कराया जा रहा है।

युवती की मौत के मामले में बड़ा खुलासा, प्रेमी ने नहीं की थी हत्या

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी में लालपुर काली नगर में किराए के मकान में लिव इन में रह रही युवती की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है, युवती की किसी ने हत्या नहीं की थी, बल्कि उसने खुद फांसी लगाकर अपनी जान दी थी, जिसकी मौत से सकते में आकर युवक दो दिनों तक उसके शव के साथ ही रूम में रह रहा था, जिससे पूछताछ अब भी जारी है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। दरअसल मामले में पूरा खुलासा उसकी डायरी से हुआ है, जिसमे प्रेमी से तंग आना और बिमारी से परेशान रहने की बातों का जिक्र है। डायरी साल 2020 की बताई जा रही है, वहीँ पोस्टमॉर्टेम रिपोर्ट में भी युवती की आत्महत्या की पुष्टि हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका का नाम बसंती यादव था, जो अपने प्रेमी के साथ 7 महीने से लिव इन में रह रही थी, जो पिछले एक महीने से लालपुर काली नगर में नए किराए के मकान में अपने प्रेमी के साथ रह रही थी, मृतिका रूरूढ़ढ अस्पताल में काम करती थी, वहीँ उसका प्रेमी भी साथ में काम करता था, जो कुछ महीनों से काम छोडक़र घर में ही रहता था, मकान मालिक ने बताया कि मृतिका का प्रेमी शराब के नशे में उससे झगड़ा करता था, और कुछ दिनों पहले उसने शाराब पीने के लिए साइकिल बेच दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद हुआ था।

कलेपाल के जंगल से दो नक्सली गिरफ्तार

दन्तेवाड़ा (आरएनएस)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मुखबिर से मिली आसूचना की पुष्टि हेतु डीआरजी दंतेवाड़ा का बल नक्सली गश्त, सर्चिंग हेतु थाना कटेकल्याण के सीमावर्ती ग्राम मार्जूम एवं कलेपाल के जंगल/पहाड़ी की ओर रवाना हुए थे, कि ग्राम कलेपाल के जंगल से 02 महिला एवं पुरूष नक्सली बुधरी मण्डावी पिता सिंगहू उर्फ भीमा मण्डावी, पति बामन सोड़ी उम्र लगभग 24 वर्ष जाति माडिया निवासी कलेपाल थाना पखनार जिला बस्तर एवं तुला वेट्टी पिता बामन वेट्टी उम्र लगभग 22 वर्ष जाति माडिया निवासी मुदेनार सरपंच पारा थाना पखनार जो प्रतिबंधित नक्सली संगठन में क्रमश: मार्जूम पंचायत केएएमएस अध्यक्ष एवं ग्राम मुदेनार डीएकेएमएस सदस्य के पद पर कार्य करना बताये। जिनके विरूद्ध थाना कटेकल्याण में पूर्व से अप.क्रं. 18/2020 धारा 120 (बी), 307 भादवि. 3,4.5 विप.अधि. एवं 38 (2) 39 (2) विविविनिअधि. पंजीबद्ध होने से गिरफ्तार कर कार्यवाही उपरांत आज गुरूवार को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी परब सम्मान निधि योजना का किया शुभारंभ

❐ प्रदेश के समस्त अनुसूचित क्षेत्रों में लागू हुई योजना

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के लाल बाग में आयोजित 'भरोसे के सम्मेलन' में विशिष्ट अतिथि प्रियंका गांधी की उपस्थिति में 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' का शुभारंभ किया। बस्तर संभाग के 1840 ग्राम पंचायतों को 5-5 हजार रूपए की अनुदान राशि जारी। इस योजना के तहत आदिवासी पर्व एवं त्योहारों के गरिमामय आयोजन के लिए राज्य शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। योजना के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने बस्तर संभाग के 1840 ग्राम पंचायतों को प्रथम किश्त के रूप में 5-5 हजार रूपए की राशि जारी की।

योजना का उद्देश्य- मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' के तहत अनुसूचित क्षेत्र के ग्रामों में जनजातियों के उत्सवों, त्यौहारों के मेला, मड़ई, जात्रा पर्व, सरना पूजा, देवगुड़ी, नवाखाई, छेरछेरा, अक्ती, हरेली आदि उत्सवों, त्यौहारों, संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रति वर्ष 10,000 रूपए की अनुदान राशि दो किश्तों में जारी की जायेगी।

मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि का उद्देश्य आदिवासियों के तीज त्यौहारों की संस्कृति एवं परम्परा को संरक्षित करना एवं इन त्यौहारों, उत्सवों को मूल स्वरूप में आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण तथा सांस्कृतिक परम्पराओं का अभिलेखन करना है।

मुख्यमंत्री ने की थी घोषणा, बजट में है प्रावधान- मुख्यमंत्री बघेल ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज की संस्कृति और पर्वो की परम्परा के संरक्षण के लिए 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' की घोषणा की थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में इस योजना के लिए 5 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। यह योजना छत्तीसगढ़ के समस्त अनुसूचित क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति विकासखण्ड) में लागू होगी।

योजना का क्रियान्वयन- योजना की इकाई ग्राम (गांव) होंगे। योजना के लिए नोडल एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत होंगे। योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम स्तरीय शासी निकाय एवं अनुभाग स्तरीय शासी निकाय का गठन किया जाएगा। निकाय का स्वरूप निम्नानुसार होगा-

ग्राम स्तरीय शासी निकाय में संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच अध्यक्ष होंगे। गायता, पुजारी, सिरहा, गुनिया, बैगा सदस्य होंगे। ग्राम स्तरीय शासी निकाय में ग्राम के दो बुजुर्ग, दो महिला, ग्राम कोटवार, पटेल और ग्राम पंचायत के सचिव सदस्य होंगे।

जनपद स्तरीय शासी निकाय में

अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व अध्यक्ष होंगे और मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत इसके सदस्य सचिव होंगे। जनपद स्तरीय शासी निकाय में जनपद पंचायत के अध्यक्ष, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार सदस्य होंगे।

ग्राम में कौन-कौन से त्यौहारों में इस राशि का उपयोग किया जाना है इसका निर्धारण ग्राम स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। जनपद स्तर पर इस योजना के क्रियान्वयन के निगरानी एवं समन्वय हेतु जनपद स्तरीय शासी निकाय उत्तरदायी होगा।

बेहतर स्वरोजगार की ओर बढ़ रही महिलाएं, सब्जियों का कर रहीं उत्पादन

जांजगीर-चांपा (आरएनएस)। चांपा जिले के अकलतरा विकासखंड के ग्राम पंचायत तिलई में मल्टीएक्टिविटी का कार्य किया जा रहा है। यह मल्टीएक्टिव गौठान 38 एकड़ में फैला हुआ है। जहां स्वसहायता समूह की दीदियां सब्जियों का भरपूर उत्पादन कर रहीं है। समूह की महिलाएं कठोर परिश्रम कर अपनी व अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करते हुए बेहतर स्वरोजगार की ओर आगे बढ़ रही हैं। जिला प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा मल्टीएक्टिविटी कार्य अंतर्गत तिलई के गोठान में स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित करते हुए सब्जी बाड़ी का कार्य शुरू कराया गया है। जिसमें दुर्गा स्व-सहायता समूह की महिलाएं गोठान में सब्जी उत्पादन का कार्य पूरे लगन के साथ कर रहीं हैं। इस समूह की अध्यक्ष कृष्णा कौशिक और सचिव रामबाई कौशिक है। समूह की महिलाओं ने बताया कि इस सीजन में उन्होंने आलू, टमाटर, बैंगन, भिंडी, धनिया, लगाए हैं और इसके साथ ही उनके द्वारा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए फसल उत्पादन में जैविक खाद का उपयोग भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वे पिछले 2 सालों से सब्जी उत्पादन का कार्य कर रही हैं और पिछले सीजन में उनके द्वारा प्याज, टमाटर, आलू, बैंगन की खेती कर 61 हजार रुपये का लाभ प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी उन्होंने भिंडी, बैंगन, टमाटर और आलू की खेती की है।

जिसके द्वारा अब तक टमाटर 16 क्विंटल, आलू 4 क्विंटल, बैंगन 11 क्विंटल, भिण्डी 30 किलो और फूलगोभी 25 किलो फसल लिया जा चुका है। इसके साथ ही मिर्च का उत्पादन जारी है तथा आगामी कुछ दिनों में प्याज का फसल भी लिया जाएगा। समूह की महिलाओं की मेहनत रंग ला रही है और उनके द्वारा लगाई गई सब्जी के स्वास्थ्यवर्धक व पौष्टिक होने के कारण आसपास के गांव के अधिकांश लोग उनसे सब्जियां खरीद रहे हैं। वहीं आसपास के हाटबाजार में भी समूह की महिलाएं सब्जियां बेच रही हैं जिससे उन्हें बेहतर आमदनी प्राप्त हो रही है।

ग्रामीण उद्यान विकास विस्तार अधिकारी मूरित साहू ने बताया कि इस सीजन में समूह द्वारा गौठान में ग्राफ्टेड बैंगन के 270 पौधे रोपित किये गए हैं। जिससे बैंगन का भरपूर उत्पादन हो रहा है। इसकी खासियत यह हैं कि इसमें विल्ट रोग नहीं लगता और इससे 45 दिनों में ही पहला फसल प्राप्त किया जा सकता है।

सरकार आपके भरोसे पर चल रही है, आपकी मेहनत का सरकार सम्मान कर रही है - प्रियंका

जगदलपुर (आरएनएस)। भरोसे के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि मैं यहां पहली बार आई हूं आप मुझे नहीं जानते हैं। उन्होने कहा कि आप इसलिए आए हैं, क्योंकि आपका मेरे परिवार पर भरोसा है। आप इसलिए आए हैं क्योंकि नेहरू और इंदिरा गांधी के दिल में आपको लेकर विशेष सम्मान था। उन्होने कहा कि यहां बेरोजगारी की दर सबसे कम है, सबसे ज्यादा वनोपज के लिए एमएसपी प्रदान की जाती है, यहां का स्वास्थ्य माडल देश के लिए उदाहरण है। सरकार आपके भरोसे पर चल रही है, आपकी मेहनत का ये सरकार सम्मान कर रही है। पहले गौ माता सडक़ों पर घूमती थीं, बहनें कर्ज में थीं, स्कूल बंद हो रहे थे, कुपोषण की दर बढ़ रही थी। आज 65 वनोपज खरीदे जा रहे हैं, 04 हजार एकड़ जमीन लौटाई गई। 05 लाख लोगों को वन अधिकार पट्टे मिले। धान की सबसे ज्यादा कीमत यहां मिल रही है।किसानों का कर्ज माफ किया गया है। प्रियंका गांधी ने कहा कि यहां की कहानियों, आपकी संस्कृति, आपके संघर्ष के बारे में मैं सब कुछ जानती हूं। मेरे घर के सदस्यों ने आपकी संस्कृति, संघर्षों और चुनौतियों को जाना। सार्वजनिक जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज भरोसा होता है। यहां जब मैं आई तो एक बहन ने मेरे लिए सुबह से आइसक्रीम बना कर रखी थी, लेकिन जब मैं वहां पहुंची तो मुझसे कहा कि आपको अभी मंच से बोलना है, इसलिए आप ठंडी आइसक्रीम मत खाइए।

सूने मकान में चोरी, सोने चांदी के जेवर के साथ गैस सिलेंडर भी ले भागे बदमाश

भिलाई (आरएनएस)। छावनी थाना क्षेत्र में चोरी का एक मामला सामने आया है। यहां पर चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया। घर का मालिक नाइट शिफ्ट ड्यूटी गया था। सुबह जब घर लौटा तो देखा कि ताला टूटा हुआ है और घर पर रखा बैग गायब है। बैग में सोने चांदी के जेवर व नगदी रखा हुआ था। यही नहीं चोर ने घर पर रखा गैस सिलेंडर भी चुरा ले गए। इस मामले में छावनी पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार बीएसपी प्लांट का ठेका ईश्वर वर्मा ने थाना आकर शिकायत दर्ज कराई थी। 9 अप्रैल की रात करीबन 8.00 बजे वह घर में ताला लगाकर डयूटी गया था। दूसरे दिन सुबह पहुंचा तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो प्लास्टिक का सूटकेस गायब था। सूटकेश में रखे 02 नग सोने का लाकेट वजनी करीबन 03 ग्राम, 03 नग चांदी का सिक्का वजनी करीबन 25 ग्राम, 3 नग चांदी की अंगूठी वजनी करीबन 10 ग्राम, नगदी रकम 15000 रुपए, ओरिजनल पेन कार्ड, भारतीय स्टेट बैक का पासबुक, कक्षा पहली से 11 वी तक की मार्कशीट, मोटर सायकल हीरो स्पलेडर प्लस क्रमांक ष्ट्र 07 क्वङ्ख 6724 का आर सी बुक नहीं था। यही नहीं घर में रखा एक भरा एवं एक खाली सिलेडर भी गायब मिला। इस मामले में शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर प्रियंका गांधी ने किए माता के दर्शन

❐ जन कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर संभाग मुख्यालय में आयोजित भरोसे का सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रियंका गांधी जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन किए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं प्रियंका गांधी पूजा अर्चनाकर देश और प्रदेश के लिए सुख शांति, समृद्धि की कामना की, इसके पश्चात वे सीधे कार्यक्रम स्थल लालबाग मैदान पंहुची। जहां प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं योजनाओं की सराहना की। उन्होंने मनवा नवा नार स्टॉल पर बस्तर में राज्य सरकार के विश्वास, विकास और सुरक्षा की उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने ग्राम उद्योग विभाग द्वारा रेशम से बनाए जा रहे उत्पादों की जानकारी ली, इस मौके पर एसएचजी की महिलाओं ने प्रियंका गांधी वाड्रा को कोसा की साड़ी भेंट की। विशिष्ट अतिथि प्रियंका गांधी ने काजू प्रसंस्करण केंद्र के स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान गांधी ने बस्तर के काजू का स्वाद लिया और इसकी तारीफ की। आमचो बस्तर स्टॉल में गांधी ने मिट्टी एवं तांबे के बर्तन की ढलाई करते कारीगरों से बात की। गांधी वाड्रा ने मिलेट्स से बने बिस्किट का भी स्वाद लिया।

छत्तीसगढ़ में आज से ग्रामसभाओं का होगा आयोजन

❐ पंचायत संचालनालय ने कलेक्टरों को जारी किया परिपत्र

❐ ग्रामसभा की गतिविधियों को वाइब्रेंट ग्रामसभा पोर्टल और जीपीडीपी पोर्टल में अपलोड करने के निर्देश

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन के पंचायत संचालनालय ने 14 अप्रैल से सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा के आयोजन के लिए कलेक्टरों को परिपत्र जारी किया है। संचालक, पंचायत कार्तिकेय गोयल ने सभी जिलों के कलेक्टर को लिखे पत्र में उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 के तहत हर तीन महीने में ग्रामसभा का कम से कम एक सम्मिलन आयोजित करने का प्रावधान है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पूर्व में जारी निर्देशानुसार निर्धारित तिथियों 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 2 अक्टूबर के साथ ही प्रति वर्ष जून एवं नवम्बर महीने में सुविधाजनक तिथियों में हर गांव में ग्रामसभा का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाना है। पंचायत संचालनालय ने प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय एवं उनके आश्रित गांवों में ग्रामसभा के आयोजन के लिए समय सारिणी तैयार करने और स्थानीय जरूरत के अनुसार अधिकारियों-कर्मचारियों को विशेष जिम्मेदारी देने के भी निर्देश दिए हैं। पंचायत संचालनालय ने 14 अप्रैल से आयोजित ग्रामसभा में ग्रामसभा की पिछली बैठक में पारित संकल्पों के क्रियान्वयन संबंधी पालन प्रतिवेदन, विगत तिमाही में पंचायतों के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन तथा पिछली छमाही में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के नाम, प्राप्त राशि, स्वीकृत राशि, व्यय राशि एवं कार्य की अद्यतन स्थिति का वाचन करने कहा है। ग्रामसभा में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत ग्राम पंचायत में ग्रामीण परिवारों द्वारा रोजगार की मांग तथा उपलब्ध कराए गए रोजगार की स्थिति की समीक्षा करने, गौठानों के प्रबंधन एवं संचालन, सुराजी ग्राम योजना के अंतर्गत नरवा, गरवा, घुरवा, बारी से संबंधित कार्यों की प्रगति के संबंध में चर्चा, सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत संचालित पेंशन योजनाओं के सामाजिक अंकेक्षण एवं हितग्राहियों के सत्यापन के संबंध में कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

पशुपालकों के लिए गोधन न्याय योजना लाभदायक

❐ ग्रामीण एवं शहरी पशुपालकों के आय और रोजगार सृजन का बना जरिया

❐ वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से भूमि की उपजाऊ क्षमता में हो रही वृद्धि

राजनांदगांव (आरएनएस)। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना का जिले में सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। योजनांतगर्गत कृषक प्रशिक्षण, संगोष्ठी, किसान मेला, गौठान मेला का आयोजन किया जा रहा है। गोधन न्याय योजना के तहत जिले के 355 सक्रिय गौठानों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सर्वे के मांग अनुसार गोबर विक्रेताओं के लिए 4 लाख 85 हजार 5 रूपए का भुगतान किया गया है। गोधन न्याय योजना ग्रामीण एवं शहरी पशुपालकों के आय और रोजगार सृजन का लाभकारी साधन बन गया है।

गोधन न्याय योजना के तहत संचालित गौठानों में गोबर क्रय, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन व विक्रय एवं आजीविका से संबंधित गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण एवं शहरी पशुपालकों की अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। जिले में बड़ी संख्या में कृषकों द्वारा पशुपालन का व्यवसाय किया जाता है। इस योजना के लागू होने के पूर्व कृषक पशुपालन व्यवसाय से विमुख होते जा रहे थे। क्योंकि पशुधन संरक्षण एवं विकास के लिये वृहद स्तर पर योजना संचालित नहीं थी। गाय एवं भैंस वंशीय पशुओं के गोबर की व्यवस्थित ढंग से उपयोग नहीं होने, वैज्ञानिक पद्धति से ऑर्गेनिक खाद का उत्पादन नहीं करने एवं खुले पशुओं द्वारा उत्सर्जित गोबर को एकत्र नहीं करने के कारण कृषकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा था। इस योजना से गोबर से निर्मित वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट जैसे आर्गेनिक खाद से कृषकों के खेतों में जैविक खेती की दिशा में उत्कृष्ट पहल की जा रही है। रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का उपयोग कम होने से भूमि, जल, वायु, पर्यावरण के प्रदूषण को कम करके भोज्य श्रृंखला में रसायनों के अवशेष को कम किया जा रहा है। जिससे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में सुधार होने की पूर्ण संभावना है। वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से भूमि की भौतिक दशा में सुधार हो रहा है एवं उपजाऊ क्षमता में वृद्धि हो रही है। आगामी खरीफ 2023 हेतु रासायनिक उर्वरकों की खपत को कम करके गुणवत्तापूर्ण अधिकतम वर्मी कम्पोस्ट कृषकों को उपलब्ध कराने की दिशा में सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं तकनीकी टीमें के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् उच्च पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा तकनीकी शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU